अपोरो मारवाड़ अपोरी बोली

मारवाड़ी तिमाई पतरिका

जुलाई ऊं सितम्बर-2020

सुविचार

- धोळो कदेई मेरो नी है, आज थे देवोला तो काले थोने कोई देवेला।
- नाम अर बदनामी में कांई फरक है? नाम थोने खुद ने कमावणो पड़े अर बदनामी लोग थोने कमान देवे है।

आडियो

- ओंटी-टोंटी खेळडी, माई भरियो रस, उतर बतावे जके ने रुपिया देऊं दस
  उतर- जळेबी
- छोटो सो वीर गाणो गान मारे तीर
  उतर- माच्छर

nirmaan
empowering communities

बणावण आळा:-
गंगाराम अर रतन लाल योगी
मदत करणाळा:-
मुकेश कुमार योगी अर मारवाड़ी समुदाय

सरकारी योजना

प्रधानमंतरी स्वनिधि योजना

केन्दर सरकार पीएम स्वनिधि योजना री स़रुवात करी है। इण योजना रे तेहत छोटा दुकोनदार अर ठेला चलावणियो ने 10000 रुपियों रो लोन मिळेला। लोकडाऊन री वजेऊं ठेला अर छोटी दुकोन आळो रो आजीवन माथे घणो फरक पड़ियो है। इण वास्ते इयोने पाछा पटड़ी माथे लावण वास्ते सरकार आ योजना लाई है इण वास्ते 5000 करोड़ रुपियों री राहत पेकेज री घोसणा करी है। इण योजना में करीब 50 लाख छोटी दुकोन अर ठेला आळा आवे है। जिको ने 10000 रुपियो री सहायता रासी दी जावेला।

पीएम स्वनिधि योजना में लोन कितो मिळेला अर किकर पाछो भरणो है।

छोटी दुकोन अर ठेला आळो ने 10000 रुपियो रो लोन देवेला। जिको एक साल में पाछो भरणो है किस्तों में। जिको एक साल में टेम माथे ओ लोन पाछो भर देवेला उने सब्सिडी रे तौर माथे 7% सालान ब्याज मिळेला। आ रासी उने खाते में लोन भरियो रे पछे भेज दी जावेला। इण लोन माथे कोई जुर्माने रो प्रावधोन नी है।

जरूरी बातों

• छोटी दुकोन अर ठेला आळो ने पाछो कारोबार स़रु करण वास्ते 10000 रो लोन ले सके है।

• इण योजना वास्ते ओनलाईन आवेदन मोबाईल ऐप्प अर वेबपोर्टल रे द्वारा हो सके है।

• जिको लोन लेवेला उण वास्ते कोई गारन्टर री जरूत नी है।

• लोन पाछो एक साल रे माई भरणो पड़ेला।

• जिको लोन टेम माथे भरेला उण वास्ते आगे भळे लोन लेवण रो प्रावधोन है।

• टेम माथे लोन पूरो करणे पछे 7% सब्सिडी मिळेला।

• लोन रो भुगतोन डिजिटल ओनलाईन अप्लीकेसनऊं ई कर सके है उणमे उने मासिक कैसबैक ई मिळेला।

कहाणी

चिड़ी अर कागलो

एकबार एक चिड़ी अर एक कागलो दोई धर्म रा बेन-भाई बणिया। अटिने चौमासे री रुत आई अर मेह होयो जोरदार। चिड़ी कागला ने केयो काग भाई मेह घणेई होयो अर ओपे दोई भेळो खेत ब़ावो। कागलो हाँ भर ली। खेत ब़ावण री टेम कागलो चिड़ी ने केयो के म्हे थारे रोटी बणान लाऊं जेड़े थू सूड़ कर दे। चिड़ी खेत में सूड़ कर दियो, तोई कागलो आयो कोनी। चिड़ी खेत ब़ा अन री के कागलो आयो अर केयो के बाई म्हे आवतो जेड़े म्हारे एक काम हुगो जणे मौड़ो हुगो। चिड़ी केयो भाई कीं कोनी। आ सागेई कागलो लिदोण अर सिटीयों बेडाई अर डोका बढ़ाई अर बाजरी काड़ी जणे करी। चिड़ी पूरो खेत एकली अवेरियो, बाजरी काडी। बंट री टेम कागले ने केयो काग भाई आवोरा बाजरी रो बंट करो। तो कागलो आगो बैडो इज केयो के बाई चिड़ी बो मोटोड़ो बोळ म्हारो है। मोटोड़ो बोळ डुरे रो हो। जेड़े अटीनु एक गाय अर एक सोंडो आवता हाँ। जणे चिड़ी केयो के भाई दो गायो आवे है इण मूं थोरी कीं है। जणे कागलो बोलियो थो-थो मोटोड़ी थूम्बी आळी गा म्हारी है। दोयो रे बंट हो गियो। चिड़ी आपरे बाजरी रा सोगरा करे अर दुध में जिमे। कागलो डुरे अर सोण्डेऊं माथाफोड़ी करे है।

सिक्सा- मेनतऊं सब सुख हो सके है बिनो मेनत कीं नी है।

चुटकला

• सरपंच पद रो उम्मीदवार एक मिनक खने बोट मांगने गियो अर बोलियो बासा आपरो बोट म्हने इज दिजो

मिनक- बोट तो म्हें थाने इज देऊं पण एक बात है म्हे आज तांई जिके ने बोट दियो बो कदेई जीतियो नी है, पण हमके बोट म्हे आपने इज देऊला

उम्मीदवार- बासा थे थोरो बोट किनेई देजो पण म्हने मत दीजो, जे बोट म्हने दियो तो थोने थोरे बाप री सोगन है।

• नोकर आप रे सेठ खने गियो अर केयो के आपरो खास दोस्त आपऊं मिळने आयो है।

सेठ- थने कांई ठा के बो म्हारो खास दोस्त है?

नोकर- सेठजी बो केवतो हो के झालर घर में है काई? जणे म्हे समज गियो के बो आपरो खास दोस्त है।

लोकगीत

• विदा री बेल

चंवरयां उतर चौखटे चाली चूनड़ भीजी सारी रे।

काल घरां ही आज पराई बेटी थांरी रे,

जाणों सासरिए।

हांरे जाणों सासरिए सुणं मायड म्हारी ऐ जाणों सासरिए।

जिवड़ो रोवे माय-बाप रो हिवडो भर-भर आवे रे।

नेणं भरया देवे आसीसां केह नीं पावे रे।

जाणों सासरिए.....

स़ाथणियां गळगळी हुई आंखिया भर-भर आवे रे।

बालपणां री सखी आज सासरिए जावे रे।

जाणों सासरिए.....

माथे हाथ बिराजी फेरे छाती रे चिपकावे रे।

बेनड़ पाछी बेगी ल्यासा धीर बंधावे रे।

जाणों सासरिए.....

गाय बाछडा हुया उणमणां पंछीडा गरलावे रे।

आभो रोवे धरा पसीजे यूं कुरलावे रे।

जाणों सासरिए.....

काती न्हाई तुलछां पूजी काजल टीकी सारी रे।

इणं बेला री आस करी जद रिवी कंवारी रे,

जाणों सासरिए.....

कद आवूला बाबुल री गलियां कद ले जासी भाई रे।

ढूला-ढूली चिरमीं कांकर सब छोड़याई रे,

जाणों सासरिए.....

आगे बटाऊ लारे लुगायां गीत स़ीख रा गावे रे।

परित छोडियां परित मिळे इनें कुण समझावे रे,

जाणों सासरिए.....

सासरिया रा रथ में बैठी फिर-फिर जोय अफूटी रे।

गांव गोरवों नाडी भाखर लारे छूटी रे,

जाणों सासरिए.....

सुण सुण रे कांकड रा पीपल थू है धरम रो भाई रे।

बाबुल नें दीज्ये संदेसो बेग बुलाई रे,

जाणों सासरिए.....

विदा बे़ल में आज चिड़कली हरखे पण बिलखाई रे।

आंखियां आंहू हरख हिया में रीत बणाई रे,

जाणों सासरिए.....

मायड़ बाप री लाडली बेटी घणां जतन सुं पाली रे।

चीज पराई माय-बाप तो करी रुखाली रे

जाणों सासरिए,

हांरे जाणों सासरिए सुणं मायड़ म्हारी ऐ,

जाणों सासरिए ।

सम्पर्क

निर्माण सोसायटी

तीसरी मंजिल, फ्लेट नम्बर तीन, गुलाब कोम्पलेक्स

सच्चियाय हेण्डलूम के पास,

तहसील रोड़ औसियाँ, जोधपुर राजस्थान-342303

फोन नम्बर-02922-274014

Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

Web- www.nirmaan.org.in